सत्य, सत्य ही होता है

महामेधा

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नई दिल्ली, मंगलवार 17 जुलाई, 2007

वर्ष:3, अंक - 298 www.mahamedha.com editor @ mahamedha.com नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रकाशित

अपनी तरह का अनोखा निखिलधाम मंदिर

गुजरात और दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के बाद अब भोपाल के निकट करीब तीस किलोमीटर के निकट पांच एकड़ में बन रहा निखिलधाम अब एक और अनोखा मंदिर होगा जो न केवल पर्यटन की दृष्टि से बल्कि दर्शन और अध्यात्म की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। इसकी स्थापना के लिए हाल ही में महाविद्या साधक परिवार के परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी के द्वारा नींव रखी गई। इसकी नींव स्थापना के अवसर पर भारत के कोने कोने से आए करीब दस हजार अनुयायी मौजूद थे। माना जा रहा है कि यह अपने आप में एक अनोखा मंदिर होगा। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वेदमंत्रों और पूजा अर्चना के बीच साधक परिवार के सद्गुरु श्रीसुदर्शन नाथ जी ने इसकी नींव रखी। इस अवसर पर इस साधक परिवार की नाम की एक वेबसाइट भी लांच की गई ताकि दुनिया भर में फैले साधक परिवारों और अध्यात्म के साथ दर्शन की तलाश में जुटे लोगों को इसका लाभ मिल सके। कहा जा रहा कि यह मंदिर वास्तुकला और पर्यटन के हिसाब से भी अपने आप में अद्वितीय होगा और यहां आने वाले हर व्यक्ति की इच्छा ही नहीं पूरी होगी बल्कि इसे तनाव, क्रोध, लोभ, मोह और पाप से भी मुक्ति मिलेगी। गौरतलब है कि साधक परिवार की स्थापना एक दशक पूर्व भोपाल में रहने वाले गुरुदेव श्री सुदर्शन जी महाराज और गुरु माता साधना सिंह जी ने की थी। साधक परिवार महाविद्या के तीन विद्याओं से मिलकर बना है, जो परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी महाराज के सिद्धांतों और शिक्षाओं पर आधारित है। इसके लिए नियमित साधना सिद्धी विज्ञान धाम के नाम से एक ऐसी पत्रिका भी निकाली जा रही है जो तंत्र मंत्रों की दुनिया में फंसे लोगों को भ्रम और लालची लोगों से निजात दिलाने का काम भी कर रही है। यह भी माना जा रहा है भोपाल के पास बनने वाले इस मंदिर में केवल रूद्राक्ष और श्री यंत्र की सहायता से ही योग साधना का अभ्यास करवाया जाएगा और यह दुनिया का पहला ऐसा मंदिर होगा जहां दस महाविद्याओं के शिव, सरवेश्वर, भैरव, शनि, गणपति, और हनुमान के सभी रूप एक साथ स्थापित कि ए जाएंगे ताकि लोगों को एक ही जगह सारी विद्याओं के दर्शन हो सके।

■ रामकिशोर पारचा

राज्य की
नईदुनिया
विश्वास की परंपरा

नगर संस्करण • भोपाल, गुरुवार 19 जुलाई 2007 • आषाढ़ शुक्ल 5 संवत् 2064 शके 1929

भोजपुर में बन रहा है एक अनोखा मंदिर

दर्शन, अध्यात्म का संगम होगा निखिलधाम

नई दिल्ली। गुजरात और दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के बाद अब भोपाल से करीब तीस किलोमीटर की दूरी पर भोजपुर के निकट पाँच एकड़ में बन रहा निखिलधाम एक और अनोखा मंदिर होगा, जो न केवल पर्यटन की दृष्टि से बल्कि दर्शन और अध्यात्म की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा।

इसकी स्थापना के लिए हाल ही में महाविद्यासाधक परिवार के परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंदजी द्वारा नींव रखी गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली और राजस्थान से आए करीब दस हजार अनुयायी मौजूद थे। माना जा रहा है कि यह अपने-आप में एक अनोखा मंदिर होगा। मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर वेद मंत्रों और पूजा-अर्चना के बीच साधक परिवार के सद्गुरु श्री सुदर्शन नाथजी ने इसकी नींव रखी। इस अवसर पर इस साधक परिवार की www.dasamahavidhyasadhkparivar.org नाम की एक वेबसाइट भी लाँच की गई ताकि दुनियाभर में फैले साधक परिवारों और अध्यात्म के साथ दर्शन की तलाश में जुटे लोगों को इसका लाभ मिल सके। कहा जा रहा कि यह मंदिर वास्तुकला और पर्यटन के हिसाब से भी अपने आप में अद्वितीय होगा। वहाँ आने वाले हर व्यक्ति की इच्छा ही पूरी नहीं होगी बल्कि उसे तनाव, क्रोध, लोभ, मोह और पाप से भी मुक्ति मिलेगी।

गौरतलब है कि साधक परिवार की स्थापना एक दशक पूर्व भोपाल में रहने वाले गुरुदेव श्री सुदर्शनजी महाराज और गुरुमाता साधना सिंहजी ने की थी। साधक परिवार महाविद्या की तीन विद्याओं से मिलकर बना है, जो परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंदजी महाराज के सिद्धांतों और शिक्षाओं पर आधारित है। इसके लिए नियमित साधना सिद्धि विज्ञान धाम के नाम से एक ऐसी पत्रिका भी निकाली जा रही है, जो तंत्र-मंत्रों की दुनिया में फैले लोगों को भ्रष्ट और लालची लोगों से निजात दिलाने का काम भी कर रही है।

यह भी माना जा रहा है कि भोपाल के पास बनने वाले इस मंदिर में केवल रुद्राक्ष और श्रीयंत्र की सहायता से ही योग साधना का अभ्यास करवाया जाएगा और यह दुनिया का पहला ऐसा मंदिर होगा जहाँ दस महाविद्याओं के शिव, सर्वेश्वर, भैरव, शनि, गणपति और हनुमान के सभी रूप एकसाथ स्थापित किए जाएँगे ताकि लोगों को एक ही जगह सारी विद्याओं के दर्शन हो सकें।

• रामकिशोर पारचा

राजस्थान पत्रिका

आषाढ़ • शुक्ल पक्ष • नवमी, संवत् 2064

जयपुर ■ सोमवार ■ 23 जुलाई 2007

स्वामी निखिलेश्वर की याद में बनेगा निखिलधाम

नई दिल्ली, 22 जुलाई [ब्यूरो]। जोधपुर (राजस्थान) के परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी महाराज के नाम पर मध्यप्रदेश में अक्षरधाम की तर्ज पर निखिलधाम बनाया जा रहा है। इस मंदिर की नींव पिछले दिनों साधक परिवार के सद्गुरू सुदर्शन नाथ ने रखी। साधक परिवार के शिष्य रघुवेशराज ने रविवार को बताया कि यह अपने आप में अनोखा मंदिर होगा, जो पर्यटन के साथ -साथ दर्शन और अध्यात्म की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। इस मंदिर को बनाने में राजस्थान के अनुयायियों का भी बड़ा योगदान है। उन्होंने बताया के साधक परिवार की स्थापना सुदर्शन महाराज और गुरूमाता साधा सिंह ने की थी।

यह परिवार तीन विद्याओं से मिलकर बना है, जो स्वामी निखिलेश्वर आनंद के सिद्धांतों और शिक्षाओं पर आधारित है। इसके तहत एक पत्रिका निकाली जा रही है, जो तंत्र- मंत्रों की दुनिया में फंसे लोगों को निजात दिलाती है।

निखिल धाम में स्थापित परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद महाराज की प्रतिमा।

जोधपुर • सोमवार • 23 जुलाई, 2007

• शुक्ल पक्ष • सप्तमी, संवत् 2064

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

राजस्थान पत्रिका

सम्पादकीय
पाक में बढ़ते आत्मघाती हमले

विश्व वृत्त
हनीफ को भारत भेजने की तैयारी

संस्करण का वर्ष: 28 • अंक: 219 www.rajasthanpatrika.com जोधपुर, जयपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, सीकर, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, अलवर, अजमेर, पाली, बांसवाड़ा, बेंगलूर, अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई और कोलकाता से एक साथ मुद्रित

स्वामी निखिलेश्वर की याद में बनेगा निखिलधाम

पत्रिका ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जुलाई

जोधपुर (राजस्थान) के परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद महाराज के नाम पर मध्यप्रदेश में अक्षरधाम की तर्ज पर निखिलधाम बनाया जा रहा है। इस मंदिर की नींव पिछले दिनों साधक परिवार के सद्गुरु सुदर्शन नाथ ने रखी।

साधक परिवार के शिष्य रघुदेवराज ने रविवार को बताया कि यह अपने आप में अनोखा मंदिर होगा, जो पर्यटन के साथ -साथ दर्शन और अध्यात्म की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। मंदिर को बनाने में राजस्थान के अनुयायियों का भी बड़ा योगदान है।

उन्होंने बताया के साधक परिवार की स्थापना सुदर्शन महाराज और गुरुमाता साधना सिंह ने की थी। यह परिवार तीन विद्याओं से मिलकर बना है, जो स्वामी निखिलेश्वर आनंद के सिद्धांतों और शिक्षाओं पर आधारित है। इसके तहत एक पत्रिका निकाली जा रही है, जो तंत्र- मंत्रों की दुनिया में फंसे लोगों को निजात दिलाती है। भोपाल के पास भोजपुर में बनने वाले निखिलधाम में रुद्राक्ष और श्री यंत्र की सहायता से योग साधना का अभ्यास कराया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक गिरीश संघी हैदराबाद अंक पृष्ठ :16 मूल्य-2.50 रुपये

वर्ष-10 अंक- 126 (हैदराबाद, निजामाबाद व विशाखापट्टनम से प्रकाशित) ... कृ. 4 वि.संवत्-2064 गुरुवार 2 अगस्त 2007

अपनी तरह का अनोखा होगा निखिलधाम मंदिर

गुजरात और दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के बाद अब भोपाल के निकट करीब तीस किलोमीटर की दूरी पर भोजपुर के निकट पांच एकड़ में बन रहा निखिलधाम अब एक और अनोखा मंदिर होगा, जो न केवल पर्यटन की दृष्टि से, बल्कि दर्शन और अध्यात्म की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। इसकी स्थापना के लिए हाल ही में महाविद्या साधक परिवार के परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी के द्वारा नींव रखी गई। इसकी नींव स्थापना के अवसर पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, केरल, तमिल नाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली और राजस्थान से आए करीब दस हजार अनुयायी मौजूद थे। माना जा रहा है कि यह अपने आप में एक अनोखा मंदिर होगा। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वेदमंत्रों और पूजा अर्चना के बीच साधक परिवार के सद्गुरु श्री सुदर्शन नाथ जी ने इसकी नींव रखी। इस अवसर पर इस साधक परिवार की www.dasamahavid-hyasadhkparivar.org <http_//www.dasama-havidhyasad-harivar.org नाम की एक वेबसाइट भी लांच की गई ताकि दुनिया भर में फैले साधक परिवारों और अध्यात्म के साथ दर्शन की तलाश में जुटे लोगों को इसका लाभ मिल सके।

कहा जा रहा कि यह मंदिर वास्तुकला और पर्यटन के हिसाब से भी अपने आप में अद्वितीय होगा और यहां आने वाले हर व्यक्ति की इच्छा ही नहीं पूरी होगी, बल्कि उसे तनाव, क्रोध, लोभ, मोह और पाप से भी मुक्ति मिलेगी। गौरतलब है कि साधक परिवार की स्थापना एक दशक पूर्व भोपाल में रहने वाले गुरुदेव श्रीसुदर्शन जी महाराज और गुरु माता साधना सिंह जी ने की थी। साधक परिवार महाविद्या के तीन विधाओं से मिलकर बना है, जो परमहंस स्वामी निखिलेश्वर आनंद जी महाराज के सिद्धांतों और शिक्षाओं पर आधारित है। इसके लिए नियमित साधना सिद्धी विज्ञान धाम के नाम से एक ऐसी पत्रिका भी निकाली जा रही है, जो तंत्र मंत्रों की दुनिया में फंसे लोगों को भ्रष्ट और लालची लोगों से निजात दिलाने का काम भी कर रही है। यह भी माना जा रहा है भोपाल के पास बनने वाले इस मंदिर में केवल रुद्राक्ष और श्रीयंत्र की सहायता से ही योग साधना का अभ्यास करवाया जाएगा और यह दुनिया का पहला ऐसा मंदिर होगा जहां दस महाविद्याओं के शिव, सर्वेश्वर, भैरव, शनि, गणपति, और हनुमान के सभी रूप एक साथ स्थापित किए जाएंगे, ताकि लोगों को एक ही जगह सारी विधाओं के दर्शन हो सकें।

– रामकिशोर पारचा